THE ASIAN SCHOOL,DEHRADUN

(SESSION :2022-23)

WINTER HOLIDAY HOMEWORK WORKSHEET-1

CLASS:VIII **SUBJECT: HINDI**

1.Attempt the worksheet in your subject homework notebook.
2.The worksheet is based on the topics which have been taught previously.
3.The worksheet is meant for practice and recapitulation and shall be discussed by the subject teacher once the classes resume.

प्र.1 निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनिए :-

गद्यांश-१

ज्ञान वृद्धि और आनंद की प्राप्ति का एक प्रमुख साधन अध्ययन है। वह आत्म-संस्कार के विधान का एक अंग है। किसी जाति के साहित्य में गति प्राप्त करने का कोई और द्वार नहीं है। किसी जाति के भाव और विचार साहित्य में ही व्यक्त रहते हैं तथा उसी में उसकी उन्नति के क्रम का लेख रहता है। मनुष्य जाति के सुख और कल्याण के विषय में संसार में प्रतिभा सम्पन्न लोगों ने जो सिद्धांत स्थिर किए हैं उन्हें जानने का साधन स्वाध्याय ही है। जो पढ़ता है नहीं, उसे इस बात की खबर ही नहीं रहती कि मनुष्य की ज्ञान परंपरा किस सीमा तक पहुंच चुकी है। वह और यह जानता ही नहीं कि मनुष्यों के श्रम से एक मार्ग तैयार हो चुका है।

(क) शिक्षा का क्या उद्देश्य है?

(ख) किस प्रकार की शिक्षा व्यर्थ है?

(ग) मनुष्य के जीवन में आत्मिक ज्ञान का क्या महत्व है?

(घ) उपयुक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

(ड़) मनुष्य व संसार के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए ।

गद्यांश-२

संस्कृति का सामान्य अर्थ है, मानव जीवन के दैनिक आचार-व्यवहार, रहन-सहन तथा क्रिया-कलाप आदि। वास्तव में संस्कृति का निर्माण एक लंबी परम्परा के बाद होता है। संस्कृति विचार व आचरण के वे नियम और मूल्य हैं जिन्हें कोई अपने अतीत से प्राप्त करता है। इसलिए कहा जाता है कि इसे हम अतीत से अपनी विरासत के रूप में प्राप्त करते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो संस्कृति एक विशिष्ट जीवन-शैली का नाम है। यह एक सामाजिक विरासत है जो परंपरा से चली आ रही होती है। प्रायः सभ्यता और संस्कृति को एक ही मान लिया जाता है, परंतु इनमें भेद हैं। सभ्यता में मनुष्य के जीवन का भौतिक पक्ष प्रधान है अर्थात् सभ्यता का अनुमान भौतिक सुख-सुविधाओं से लगाया जा सकता है। इसके लिए विपरीत संस्कृति को आत्मा माना जा सकता है। इसलिए इन दोनों को अलग-अलग करके नहीं देखा जा सकता। वास्तव में दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। इनका विकास भी साथ-साथ होता है। अंतर केवल इतना है कि सभ्यता समय के बाद बदलती रहती है, किंतु संस्कृति शाश्वत रहती है।

(क) संस्कृति का क्या अर्थ है?

(ख) संस्कृति को विरासत का स्वरूप क्यों कहा जाता है?

(ग) सभ्यता और संस्कृति में क्या भेद है?

(घ) सभ्यता और संस्कृति का क्या अर्थ है?

(ङ) गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

प्रश्न 2. निम्नलिखित विषयों पर पत्र लिखिए --

(क) विद्यालय में हुए वार्षिकोत्सव का वर्णन हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए ।

(ख) अनुचित पार्किंग के कारण होने वाली असुविधा के लिए पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखिए ।